

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय  
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया के प्रोफेसर को मिला- सिर और गर्दन कैंसर के भारतीय मरीजों में वेट लॉस कारणों की जाँच के लिए 805 लाख रुपये का प्रतिष्ठित DBT ग्रांट**

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) के एक प्रतिष्ठित स्ट्रक्चरल बायोलॉजिस्ट और अकादमिक लीडर, प्रो. मो. इम्तियाज़ हसन को भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा 805 लाख रुपये का प्रतिष्ठित अनुदान प्रदान किया गया है। DBT की एक विशेष पहल के तहत मिली यह फंडिंग, भारतीय विज्ञान संस्थान (Indian Institute of Science) और कैंसर अनुसंधान के अग्रणी संस्थानों के साथ साझेदारी में, सिर और गर्दन के कैंसर (HNC) के भारतीय रोगियों में 'कैंसर कैकेक्सिया' (cancer cachexia) की प्रक्रियाओं को समझने के लिए एक अभूतपूर्व सहयोगी परियोजना का समर्थन करती है।

कैंसर कैकेक्सिया एक विनाशकारी सिंड्रोम है, जिसकी विशेषताएँ हैं- वज़न में भारी कमी, मांसपेशियों का क्षरण, पुरानी सूजन और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट; यह लगभग 70% HNC रोगियों को प्रभावित करता है। इस परियोजना का उद्देश्य एक एकीकृत, 'मल्टी-ओमिक्स' (multi-omics) दृष्टिकोण के माध्यम से नए बायोमार्कर और चिकित्सीय उपायों की पहचान करना है। शोधकर्ता मोलेक्युलर कारकों और मनोसामाजिक पहलुओं का पता लगाने के लिए 'हाई-थ्रूपुट ट्रांसक्रिप्टोमिक्स', 'मेटाबोलोमिक्स', 'माइक्रोबायोम प्रोफाइलिंग', 'DNA मरम्मत मार्ग विश्लेषण' और 'न्यूरोबिहेवियरल मूल्यांकन' जैसी तकनीकों का उपयोग करेंगे। इसके साथ ही, शीघ्र निदान और व्यक्तिगत, चरण-विशिष्ट उपचारों के लिए 'सेल लाइन्स', 'पशु मॉडलों' और 'रोगी-व्युत्पन्न ज़ेनोग्राफ्ट' का उपयोग करके समानांतर कार्यात्मक सत्यापन भी किया जाएगा।

यह परियोजना व्यापक और अत्याधुनिक जांच करने के लिए कई अग्रणी संस्थानों को एक साथ लाती है, जिनमें: भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) बेंगलुरु, डॉ. बी. बोरूआ कैंसर संस्थान गुवाहाटी, मैसूर विश्वविद्यालय, HCG कैंसर अस्पताल बेंगलुरु और जैव सूचना विज्ञान एवं अनुप्रयुक्त जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (IBAB) बेंगलुरु शामिल हैं।

प्रो. हसन को यह परियोजना कैंसर जीव विज्ञान और दवा खोज (drug discovery) के क्षेत्र में उनकी विश्व-स्तरीय विशेषज्ञता के कारण प्रदान की गई है। शीर्ष पत्रिकाओं में 600 से अधिक प्रकाशनों, 25,500 से अधिक उद्धरणों (citations) और 75 के 'h-इंडेक्स' वाले एक अत्यंत सक्रिय वैज्ञानिक के रूप में, उन्होंने कैंसर और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों पर 20 से अधिक सरकारी वित्तपोषित परियोजनाओं का नेतृत्व किया है। उन गिने-चुने भारतीय वैज्ञानिकों में से एक, जिन्हें रॉयल सोसाइटी ऑफ़ केमिस्ट्री और रॉयल सोसाइटी ऑफ़ बायोलॉजी, दोनों का फेलो चुना गया है, प्रो. हसन जामिया मिल्लिया इस्लामिया में इंटरडिसिप्लिनरी इनोवेशन को बढ़ावा देते हैं, और बायोमेडिकल उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देते हैं।

"यह ग्रांट भारतीय HNC मरीजों की एक गंभीर और खास ज़रूरत को पूरा करने की हमारी टीम की क्षमता पर DBT के भरोसे को दिखाता है," प्रो. हसन ने कहा। "कैशेक्सिया के छिपे हुए तंत्रों को उजागर करके, हमारा लक्ष्य प्रिसिजन मेडिसिन के ज़रिए मरीजों के इलाज के नतीजों में बदलाव लाना है।"

यह ऐतिहासिक ग्रांट भारत में बायोमेडिकल रिसर्च को आगे बढ़ाने में प्रो. हसन की अहम भूमिका को उजागर करता है, और कैंसर से जुड़ी जटिलताओं में मौजूद गंभीर कमियों को दूर करने के लिए सहयोगी, उच्च-प्रभाव वाले विज्ञान के प्रति DBT की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह जेएमआई और उसके सहयोगियों को भारतीय संदर्भ में ऑन्कोलॉजी देखभाल के सबसे चुनौतीपूर्ण पहलुओं में से एक के लिए अभिनव समाधानों में सबसे आगे रखता है। यह प्रोजेक्ट भारत के कैंसर अनुसंधान परिदृश्य को आगे बढ़ाने का वादा करता है, और HNC से जुड़े कैंसरों से जूझ रहे लाखों लोगों के लिए उम्मीद की किरण जगाता है।

प्रो. साइमा सईद  
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी